ब्रह्माकुमारीज़ के 80वीं वर्षगांठ पर शांतिवन में आयोजित कार्यक्रम में महानुभावों के उद्‌बोधन

यहाँ दया, ममता देखने को मिली

इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के वरिष्ठ न्यायाधीश शबीह उल हसनैन ने कहा कि यहाँ दया, प्रतिबद्धता, ममता, करुणा देखने को मिलती है। वसुधैव कुटुम्बकम का जितना अच्छा चित्रण यहाँ हुआ है, कहीं नहीं हुआ। पूरा संसार एक परिवार है। हम सब एक ईश्वर की संतान हैं।

ब्रॉडकास्ट एडिटर्स एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी व वरिष्ठ पत्रकार एन.के. सिंह ने कहा कि बाज़ार की शक्तियों के बीच जीवन मूल्यों की शिक्षा देना और मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना बहुत मुश्किल काम है जो ब्रह्माकुमारी संस्थान बखूबी कर रहा है। यह अद्‌भुत संस्थान है, इससे मैं पिछले 10 सालों से जुड़ा हुआ हूँ। जब भी यहाँ आता हूँ, खुद को हर बार यहाँ के लोगों से बहुत छोटा पाता हूँ। छोटेपन का यह अहसास ही मुझे यहाँ पर खींच लाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संस्थान को स्वच्छ भारत और ऊर्जा के क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने का जो भागीरथ कार्य दिया है, उसमें यह संस्थान पूर्ण रूप से सफल होगा। यह चिंता की बात है कि आज देश का जी.डी.पी. बढ़ रहा है। मगर यू.एन. के हैप्पीनेस इंडेक्स में हमारा नंबर साल दर साल पीछे आता जा रहा है। इस इंडेक्स में खुशी की पुनर्स्थापना का काम कोई कर सकता है तो वह सिर्फ ब्रह्माकुमारीज़ है।

'हर पत्थर की तकदीर बदल सकती है, शर्त है कि उसे सलीके से संवारा जाये' ऐसा कहना था **स्वामी चिदानंद जी** का ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना की 80वीं सालगिरह पर। उन्होंने कहा कि हमारी दादी जानकी ने देश को एक आत्म-ऊर्जा का मंत्र दिया। जब बसंत आता है तो मौसम में बहार आती है और जब कोई संत आता है तो जीवन में बहार आती है। उन्होंने प्रकृति की सुरक्षा के लिए पेड़ लगाने का भी संकल्प सबको दिया। जो आज भारत सरकार 'मेक इन इंडिया' का मंत्र लेकर चल रही है उस संकल्प की नींव दादा लेखराज ने 80 वर्ष पूर्व ही रख दी थी।

न्यूज़ 24 की एडिटर इन चीफ अनुराधा प्रसाद ने कहा कि आज मैं ये महसूस कर रही हूँ कि मैंने यहाँ देर से आकर कितना कुछ खोया है, यह मेरा संस्था के साथ पहला संपर्क है। संस्था ने विश्व में जो चेतना जगाई है वह अनुकरणीय है। हर चीज़ को यहाँ पवित्रता के साथ आगे बढ़ाया जाता है। राष्ट्र नीति में भी ब्रह्माकुमारीज़ अपना योगदान दे सकती है।

डॉ. लोकेश मुनि ने कहा कि नारी-शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन का कार्य आबू में संचालित हो रहा है, यह विश्व के अंदर कहीं भी नहीं है। इस परिवार का महामंत्र है तेरा सो तेरा मेरा भी तेरा। ये बहनें स्वार्थ से उठकर समाज निर्माण का कार्य कर रही हैं। दादी जानकी को भारत रत्न नहीं बल्कि नोबेल पुरस्कार से नवाज़ा जाना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार संजय कुलश्रेष्ठ ने कहा कि हमें नकारात्मकता के फ्रेम को अपने मस्तिष्क से हटाना होगा। हमारा दिमाग एक-एक सूचना को लेता है। ऐसे में हमें, उस फ्रेम को हटाना होगा जो हमें आध्यात्म से दूर ले जाए और अर्थ का अनर्थ करे।

ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि सदा अच्छे व सुखदायी कर्म करने चाहिए। परमात्मा को अपना सबकुछ मानकर उनकी बातों को जीवन में लायें। इससे जहां आत्म-बल बढ़ेगा वहीं खुशी भी मिलेगी। जैसा कर्म हम करेंगे हमें देख और करेंगे।

नवग्रह टी.वी. के सी.ई.ओ. आर. सी. रैना ने कहा कि भारत में शिक्षा, सामाजिक परिवेश एवं राजनीति में बदलाव की अति आवश्यकता है। जब सब लोग कहते हैं कि परमात्मा एक है तो इतना मत-मतांतर, धर्म-पंथ मान्यताएं आदि क्यों? हम कहते हैं हम सब एक हैं तो इस बात में कुछ त्रुटि तो नहीं। यदि भगवान हर जगह होगा तो समस्या तो होंगी ही नहीं। मैं इतने समय से ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में हूँ तो मेरे अंदर भी काफी बदलाव आया है। यहाँ से सभ्य समाज का निर्माण अति सहज तरीके से हमारी बहनें कर रही हैं। मैं इनको इस अवसर पर बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

फॉरेन कॉरसपोन्डेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया इन इंडिया के प्रेसिडेंट एस. वेंकट नारायण ने कहा कि भारत की संसद को ब्रह्माकुमारीज़ के यहाँ जैसी शांति की ज़रूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्थान विश्व के अशांत देशों जैसे सीरिया, ईराक आदि को भी शांति का संदेश दे।

ब्रह्माकुमारीज़ रिट्रीट सेंटर न्यूयार्क की डायरेक्टर ब्र.कु. डोरोथी, मैक्सिको के पूर्व संसद सदस्य अर्नेस्टो कैस्टेलेनस ने कहा कि भारत विश्व की आध्यात्मिक शक्ति है। इस दौरान अतिथियों की मौजूदगी में दादी जानकी ने केक काटकर सभी को बधाई दी। संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने आभार व्यक्त किया।

विश्व का परिवर्तन ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग द्वारा ही संभव - कलराज मिश्र

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री कलराज मिश्र। मंचासीन हैं सभी विशिष्ट तथा गणमान्य अतिथिगणों के साथ दादी जानकी, ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु. गोदावरी तथा ब्र.कु. सुषमा।

शांतिवन-आबूरोड। हम परस्पर संवेदनशील रहकर, खुद का आत्मिक विकास कर राष्ट्र का विकास कर सकते हैं। परस्पर सकारात्मक भाव हो, शिक्षा में अध्यात्म व आत्म-शक्ति का समावेश हो तो हम आसुरी शक्तियों का नाश कर देंगे। आध्यात्मिकता का पाठ्यक्रम में समावेश होगा तो सभी समस्याएँ अपने आप समाप्त हो जाएंगी। उक्त उद्‌गार केंद्रीय लघु, सूक्ष्य एवं मध्यम उद्योग मंत्री कलराज मिश्र ने व्यक्त किए।

केंद्रीय मंत्री मिश्र ने कहा कि भारत के माध्यम से यदि विश्व को बदलना है तो ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग से ही संभव है। राजयोग सही मायने में जीवनशैली है, जो शरीर को स्वस्थ रखने और जीवन को मर्यादित चलाने की सीख देती है। प्यार, श्रद्धा, समर्पित भाव और ब्रह्माकुमारीज़ जैसी आदर्श व्यवस्था से शक्ति को केंद्रित कर हम जैसा चाहें वैसा कर सकते हैं। यह संस्था सृष्टि सृजन का कार्य कर रही है।

मांगने से मरना भला

संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि परिवर्तन तभी संभव होगा जब हम अपने अंदर झाँकेंगे और साइलेंस को अपनी शक्ति बनाएंगे। इससे स्वयं के परिवर्तन की प्रकिया शुरु होगी। दिव्यता, मधुरता ज्ञान, योग, सेवा और धारणा जीवन में होगी तो कदम-कदम में पदमों की कमाई होगी। भगवान की ताकत है, मेरा भाग्य है। खुशी जैसी खुराक नहीं। बाबा ने सिखाया है मांगने से मरना भला।

शांति के लिए सबको ट्रेनिंग की ज़रूरत

महाराष्ट्र के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री महादेव जानकर ने कहा कि सभी मंत्रियों को यहाँ ट्रेनिंग दी जाए तो भारत अच्छा बन जाएगा। शांति के लिए इस संस्था ने धर्म और विज्ञान का संगम किया है।

राष्ट्र का निर्माण चरित्र से ही संभव

दादीजी के प्रति आभार प्रकट करते हुए समाज सुधारक एवं कवि डॉ. लोकेश मुनि ने कहा कि मन की ममता जब ईश्वर से जुड़ती है तो दादा लेखराज जैसा व्यक्ति पैदा होता है। राष्ट्र की सुरक्षा केवल सीमा से नहीं, बल्कि चरित्र से होती है जिसका निर्माण दादी माँ कर रही हैं।

स्पेस में है 'ओम्' की आवाज़

प्रख्यात वैज्ञानिक एवं सी.ई.पी.टी.ए.एम. के चेयरमैन ललित कुमार ने कहा कि विज्ञान में हम हर बात तर्क की कसौटी पर परखते हैं, लेकिन आध्यात्मिकता ऐसी चीज़ है जिसका साक्षात्कार इससे हो गया, उसके पास अभिव्यक्त करने के लिए न शब्द होंगे और न तर्क होंगे। विज्ञान की सीमा सिर्फ दिमाग तक है, लेकिन अध्यात्म असीमित है स्पेस में यदि कोई आवाज़ है तो वह 'ओम्' है।

ओम् शांति की आज दुनिया को ज़रूरत

वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन नाग ने कहा कि ओम शांति मात्र दो शब्द हैं, लेकिन दुनिया को आज इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसे मीडिया ने जगह दी है और यह भी लगातार मीडिया के संपर्क में है।

वक्ताओं एवं अतिथियों ने भी रखे अपने विचार

ब्रह्माकुमारीज़ रसिया के सेवाकेंद्रों की क्षेत्रीय समन्वयक राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी ने कहा कि जब दुनिया अशांति के घोर अंधकार से घिर जाती है तो ऐसे समय में स्वयं परमपिता परमात्मा इस धरा पर आते हैं। परमात्मा कहते हैं कि एक मुझसे नाता जोड़ लें तो सब दु:खों से दूर हो जाएंगे।

श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,पुरी ओडिशा के कुलपति प्रो. राधामाधव दास ने कहा कि यहाँ बहुत ही सरल एवं स्वाभाविक रूप से कार्य हो रहे हैं। ये सीखने की बात है। आज इस दुनिया के अशांति के माहौल में शांति प्रदान करने का काम ये संस्था ही कर सकती है।

यूनाइटेड न्यूज़ न्यूयॉर्क के संपादक डॉ. एम.एच. ग़ज़ाली ने कहा कि दादा लेखराज ने जो शांति का मिशन शुरू किया है वो आज दुनिया में शांति का पैगाम दे रहा है। सिवाए भारत के दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं है जो विश्व गुरू बन सके। एक जर्नलिस्ट की आदत होती है सब जगह कमियाँ देखने की, लेकिन मैं यहाँ कोई कमी नहीं ढूंढ़ पाया।

छपते-छपते ताज़ा टी.वी. के चीफ एडिटर एवं चेयरमैन विशम्भर नेवाड़ ने कहा कि हमारा देश अध्यात्म का देश है। यहाँ इतनी शांति से जो संचालन हो रहा है, वह बिना परमात्मा की शक्ति के संभव नहीं है।

ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर ज़ोन की ज़ोनल निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा ने डायमण्ड हॉल में दस हज़ार से अधिक भाई-बहनों को राजयोग मेडिटेशन द्वारा गहन शांति की अनुभूति कराई।

संस्था के साइंटिस्ट एवं इंजीनियरिंग विंग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर ब्र.कु. मोहन सिंघल ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। वहीं श्रीरंगम भरतनाट्यम त्रिची और त्रिमालय नाट्य निकेतन चेन्नई की बालिकाओं ने 'खिली धरती, खिला आसमा' गीत पर आकर्षक प्रस्तुति दी।

इनका किया सम्मान एवं अभिनंदन

कार्यक्रम संयोजक ब्र.कु. मृत्युंजय ने वरिष्ठ पत्रकार राजीव रंजन, वैज्ञानिक ललित कुमार, डॉ. एम.एच. गज़ाली, न्यूज़ वर्ल्ड इंडिया के मैनेजिंग एडिटर अनिल राय, समाचार वार्ता के ग्रुप एडिटर राजीव निशाना का उनके अपने क्षेत्र में विशेष योगदानों हेतु शॉल ओढ़ाकार, प्रशस्ति पत्र भेंटकर एवं शील्ड देकर सम्मानित किया। शांतिवन के इंजीनियर ब्र.कु. भरत ने आभार प्रदर्शित किया।